भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

05 जनवरी, 2015

vefjdh lkekT;oknh ljxuk cjkd vkckek d Hkkjr nkj d cfg"dkj dk vkgoku

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर आगामी 65 वें गणतंत्र दिवस के आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में 25–26 जनवरी को प्रस्तावित अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा के भारत के दौरे का बहिष्कार करने, विरोध करने भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी देश की जनता, जनवादी–प्रगतिशील ताकतों, देशभक्त लोगों, मानवाधिकार संगठनों, छात्र, युवाओं, मजदूर, किसानों, आदिवासियों, उत्तर पूर्वी राष्ट्रीयताओं व कश्मीरी जनता का आह्वान करती है। चूंकि बराक ओबामा दुनिया की उत्पीड़ित राष्ट्रीयताओं व जनता के अव्वल नंबर का दुश्मन एवं सबसे बड़ा आतंकवादी अमेरिकी साम्राज्यवाद का सरगना है, इसलिए उन्हें भारत की धरती पर कदम रखने का नैतिक अधिकार नहीं है। साथ ही हम यह आह्वान करते हैं कि ओबामा को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाने के खिलाफ 26 जनवरी को विरोध दिवस मनावें एवं गणतंत्र दिवस के आयोजनों का बहिष्कार करें। गणतंत्र दिवस के परेड में ओबामा की उपस्थिति में सलामी देने का मतलब है, साम्राज्यवाद की गुलामी। देश की संप्रभुता एवं जनता के आत्मसम्मान के साथ खिलवाड़ है। मोदी सरकार के इस देश विरोधी कदम के खिलाफ देश भर में गांव–गली, कस्बों व शहरों की सड़कों पर बड़ी संख्या में उतरकर 'ओबामा, वापस जाओ' का नारा बुलंद करें। 25–26 जनवरी, 2015 को पर्चा, पोस्टर, बैनर, सभा–सम्मेलन, ओबामा–मोदी विरोधी प्रदर्शनों, रैलियों का आयोजन करें एवं उनके पुतले दहन करें।

अमेरिकी शासक वर्गों के 500 सालों का इतिहास स्थानीय जनजातियों के कत्लेआम, आदिवासी हनन एवं अपनी सत्ता को कायम करने में ही बीता। दबाव, धौंस, हमलों व कब्जे के जरिए दुनिया की उत्पीड़ित राष्ट्रीयताओं का बेरहमी से शोषण व दमन करना, बदनाम तानाशाहों को सत्ता पर बिठाना, सहयोग नहीं देने वालों का सफाया या सत्ता पलट करवाना, विश्व के तेल, खनिज व अन्य तमाम सम्पदाओं और संसाधनों पर अपना कब्जा जमाना, अपने आर्थिक व वित्तीय संकट के बोझ को पिछड़े देशों के कंधों पर लादना, अपने स्वार्थी हितों की पूर्ति के लिए कत्लेआम करना, पूर्व नियोजित निहित स्वार्थपूर्ण युद्धतंत्र अमेरिकी साम्राज्यवाद का इतिहास रहा है। वह हत्यारा, युद्धोन्मादी, रंगभेदी है। साम्राज्यवादी वित्तीय संकट के भंवर से बाहर आने में नाकाम ओबामा पिछड़े व गरीब देशों के संसाधनों की लूट–खसोट में और ज्यादा तेजी लाने की कोशिश कर रहा है। ओबामा अब इसलिए आ रहे हैं कि कई और समझौते करके अपने संकट का बोझ भारत पर और ज्यादा लादा जा सके। हमारे देश के संसाधनों को मनमाने लूटने में बहुत बड़ी रुकावट बने माओवादी आंदोलन समेत सभी जन आंदोलनों का और ज्यादा क्रूरतापूर्वक दमन करने में सलाह–सुझाव देने के लिए वो यहां आ रहे हैं। ओबामा का दौरा कारपोरेट लूट व फासीवादी दमन में भारी बढ़ोत्तरी का संकेत है। साम्राज्यवाद का मतलब ही युद्ध है। उसने दुनिया की जनता को भूख और मौत के सिवाय कुछ नहीं दिया है। साम्राज्यवादी विरोधी राजनीतिक, आर्थिक प्रचार, जन गोलबंदी, जन प्रतिरोध एवं जनयुद्ध आज की एतिहासिक जरूरत है।

प्रधान मंत्री बनते ही मोदी ने अपनी कारपोरेट सेवा के तहत प्रतिरक्षा, बीमा, रेल्वे व खुदरा व्यापार में 49.6 प्रतिशत एफडीआई, सरकारी, निजी क्षेत्रों की भागीदारी व पहलकदमी के साथ परियोजनाओं का निर्माण, महत्वपूर्ण पीएसयु का विनिवेशीकरण, सब्सिडियों में कटौती, 100 स्मार्ट शहरों का निर्माण, सेज का निर्माण, विदेशी निजी पूंजीनिवेश के साथ बुलेट ट्रेन प्राजेक्ट, टेक्सटाइल, टेलिकाम क्षेत्रों में एफडीआई का प्रवेश आदि तमाम योजनाएं कारपोरेट वर्गों के ही हित में अपनायी। राष्ट्रीयता, देशभक्ति, स्वदेशी आदि नारे दरअसल स्वदेशी, विदेशी कारपोरेट शक्तियों की सेवा के ही लिए हैं। मोदी का 'मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया' वास्तव में विदेशी निवेशकों के लिए 'लूट इंडिया' आह्वान है। गरीब जनता खाना, कपड़ा, मकान, इलाज,शिक्षा, रोजगार, पेयजल, सिंचाई आदि मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। महंगाई, गरीबी, अशिक्षा, भूखमरी, बीमारी, आवासहीनता आदि समस्याओं से जूझ रही है। लेकिन मोदी के एजेण्डे में आम जनता नहीं है।

देश के मजदूर–किसानों, छात्र–युवाओं, शिक्षक–कर्मचारियों, प्रगतिशील–देशभक्त–जनवादी ताकतों से हम अपील करते हैं कि वे इस शोषणमूलक सत्ता को उखाड़ फेंककर नवजनवादी गणराज्यों के भारतीय फेडरेशन की स्थापना के लिए जारी क्रांतिकारी जनयुद्ध के समर्थन में आगे आवें। इस जनयुद्ध को खत्म करने के लिए भारत की उत्पीड़ित जनता पर अमेरिकी साम्राज्यवाद की मदद् से केंद्र–राज्य सरकारों के द्वारा

जारी नाजायज युद्ध – ऑपरेशन ग्रीनहंट का विरोध करें। मोदी की हिन्दुत्व फासीवादी सरकार के खिलाफ संगठित, मजबूत व जुझारू जन आंदोलन का निर्माण करने आगे आवें। दुनिया के उत्पीड़ित राष्ट्रों व जनता के अव्वल नंबर का दुश्मन व आतंकी साम्राज्यवादी अमेरिका के खिलाफ आवाज बुलंद करें।

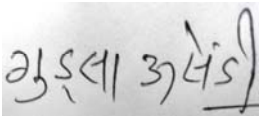

(गुड्सा उसेण्डी)

प्रवक्ता,

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)